“Government is Finance
- Lloyd George
MAHARSHI DAYANAND UNIVERSITY ROHTAK, HARYANA
DEPARTMENT OF PUBLIC ADMINISTRATION
in collaboration with Pt. Deen Dayal Upadhayaya Centre of Excellence for
Rural Development & Pt. Deen Dayal Upadhayaya Research Chair
A Lecture on
“ Role of Panchayati Raj Institutions in
of Haryana
Dated:
Narendra Kumar
“ Budget is the life
of the government
- Aaron

Maharshi Dayanand University Rohtak

16h ·

रोहतक, 24 अप्रैल। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग द्वारा पं दीनदयाल उपाध्याय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रूरल डेवेलपमेंट एवं पं दीनदयाल उपाध्याय रिसर्च चेयर के सहयोग से आज राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर- हरियाणा के ग्रामीण विकास में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका विषय पर एक विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
इस अवसर पर रोहतक के अपर उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने बतौर मुख्य वक्ता कार्यक्रम में शिरकत की। विभागाध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा व्याख्यान की विषयवस्तु पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता नरेंद्र कुमार ने अपने व्याख्यान में पंचायती राज संस्थाओं की वर्तमान स्थिति एवं उनकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाओं को अपनी शक्तियों एवं कार्यों की सम्पूर्ण जानकारी नहीं होती, जिस कारण वे हमेशा एक मांग की स्थिति में रहती हैं और विकास की प्रक्रिया में पिछड़ जाती हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विकास के लिए धन की कमी नहीं है, परंतु समस्या यह है कि पंचायतें यह नहीं जानतीं कि उस धन का उचित उपयोग कैसे और कहां करना है। नरेन्द्र कुमार ने कहा कि प्रशासन ग्रामीण विकास के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ कार्य कर रहा है, लेकिन स्थानीय संस्थाओं की सक्रिय भागीदारी के बिना विकास की गति को तेज नहीं किया जा सकता। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों को जागरूकता, योजना निर्माण एवं कार्यान्वयन की प्रक्रिया में अधिक जिम्मेदारी से भूमिका निभाने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि पंचायती राज संस्थाएं ग्रामीण जनता के सबसे निकट होती हैं और यदि वे अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों को समझें तो हरियाणा के ग्रामीण विकास में क्रांतिकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने उपस्थित विद्यार्थियों को उदाहरणों के माध्यम से यह समझाया कि योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किस प्रकार ग्रामीण जीवन को सकारात्मक दिशा में प्रभावित कर सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।
प्रो. सतबीर सिंह चाहर ने कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन किया। साथ ही श्री नरेंद्र कुमार ने उपस्थित प्रतिभागियों से संवाद कर उनके प्रश्नों के उत्तर भी दिए। कार्यक्रम का संचालन शोधार्थी कविता मलिक ने किया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया, प्राध्यापक डॉ. सतबीर सिंह चाहर, डॉ. राजेश कुंडू, डॉ. जगबीर नरवाल, डॉ. समुन्द्र सिंह, डॉ. सुमनलता समेत शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार।

पंचायती राज संस्थाओं स्थिति एवं भूमिका पर चर्चा की

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर रूरल डेवेलपमेंट एवं पं. दीनदयाल उपाध्याय रिसर्च चेयर के सहयोग से राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर हरियाणा के ग्रामीण विकास में पंचायती राज संस्थाओं की भूमिका विषय पर एक विस्तार व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर रोहतक के अपर उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने बतौर मुख्य वक्ता कार्यक्रम में शिरकत की। विभागाध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने व्याख्यान की विषयवस्तु पर प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता नरेंद्र कुमार ने पंचायती राज संस्थाओं की वर्तमान स्थिति एवं उनकी भूमिका पर विस्तार से चर्चा की।

पंचायती राज संस्थाएं ग्रामीण विकास की रीढ़: नरेंद्र कुमार

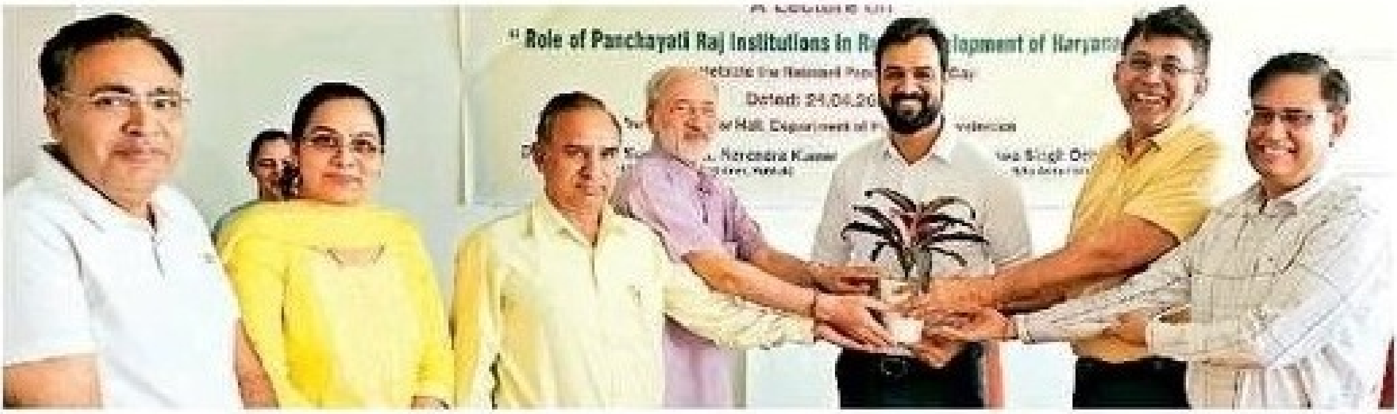

भास्कर न्यूज | रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के लोक प्रशासन विभाग में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रोहतक के अपर उपायुक्त नरेंद्र कुमार मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने कहा कि पंचायती राज संस्थाएं यदि अपने अधिकारों और कर्तव्यों को सही ढंग से समझें तो ग्रामीण विकास में क्रांतिकारी बदलाव लाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि पंचायतों को योजनाओं की जानकारी तो मिलती है, पर उनके सही उपयोग की जानकारी नहीं होती। इससे वे विकास की दौड़ में पीछे रह जाती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रो. सेवा सिंह दहिया ने की। इस मौके पर प्रो. सतबीर सिंह चाहर, डॉ. राजेश कुंडू, डॉ. सुमनलता समेत कई प्राध्यापक व विद्यार्थी मौजूद रहे।